वरुण– अनुष्का बने कौशल भारत अभियान के ब्राण्ड अम्बेसडर

मुंबई, 18 सितम्बर, 2018: वरुण धवन और अनुष्का शर्मा अपनी बहु–प्रतीक्षित फिल्म 'सूई–धागा– मेड इन इण्डिया' के माध्यम से भारत के उद्यमियों, कुशल कारीगरों, खासतौर पर घरेलू कारीगरों, शिल्पकारों और बुनकरों को सलाम कर रहे हैं जिन्होंने दुनिया भर में देश का गौरव बढ़ाया है। धवन इस फिल्म में एक दर्ज़ी मौजी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि अनुष्का उनकी पत्नी कढ़ाईकार ममता की भूमिका निभा रही हैं। बेहद मासूम और महत्वाकांक्षी इस जोड़े के सपने बहुत उंचे हैं जो अपना नाम रौशन करना चाहते हैं।

फिल्म के साथ इस एसोसिएशन पर बात करते हुए डॉ धर्मेन्द्र प्रधान, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने कहा, *''वरुण धवन और अनुष्का शर्मा अपनी अनूठी फिल्म सूई धागा– मेड इन इण्डिया के माध्यम से हमारे समाज के घरेलू कारीगरों और बुनकरों के कौशल को रोशनी में लाए हैं। यह देखकर अच्छा लगता है कि उनकी तरह के अभिनेता ऐसी फिल्म कर रहे हैं जो समाज को इतना महत्वपूर्ण संदेश दे रही है। भारत में दुनिया की सबसे ज़्यादा युवा आबादी है और हमारे लिए गर्व की बात है देश के युवा अपने उद्यमिता कौशल के साथ दुनिया भर में नाम कमा रहे हैं।''*

''मेरा मानना है कि दोनों अभिनेता अपनी इस फिल्म के माध्यम से देश के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण पाने और बेहतर आजीविका कमाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दृष्टिकोण के अनुरूप नव भारत के निर्माण में मदद करेंगे।'' **उन्होंने कहा।**

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तत्वाधान में कौशल भारत आधुनिक एवं पारम्परिक कौशल में व्यवसायिक प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करना चाहता है। मंत्रालय आधुनिक बुनियादी सुविधाओं, ओद्योगिक साझेदारियों एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से युवाओं को रोज़गार के बेहतर अववसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के प्रयासों के चलते हर साल 1 करोड़ से अधिक युवा कौशल भारत मिशन के साथ जुड़ रहे हैं और बेहतर आजीविका के द्वारा अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं

वरुण धवन ने कहा, *''प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमारे कारीगरों, बुनकरों और शिल्पकारों को कौशल एवं आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए अद्भुत दृष्टिकोण और दूरदर्शिता को प्रस्तुत किया है। हमें गर्व है कि हम अपनी फिल्म सूई धागा के माध्यम से इस अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं तथा आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता का जश्न मना रहे हैं।''*

अनुष्का शर्मा ने कहा, *''कौशल भारत अभियान सरकार द्वारा देश में कुशल एवं प्रतिभाशाली युवाओं को सहयोग प्रदान करने की पुष्टि करता है। सूई धागा बनाने के दौरान ऐसे कई प्रतिभाशाली, कुशल कारीगरों, बुनकरों की कहानियां हमारे सामने आईं, जिन्हें अपनी प्रतिभा को दर्शाने के सही मौका नहीं मिला है।''*

कौशल भारत अभियान ने हमारे युवाओं को औपचारिक प्रशिक्षण एवं सर्वश्रेष्ठ कौशल प्रदान करने के लिए अपनी कौशल विकास एवं उद्यमिता नीति के माध्यम से कई नीतिगत बदलाव किए हैं, एप्रेन्टिसशिप अधिनियम 1961 में व्यापक बदलाव लाए गए हैं तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना प्रस्तुत की गई है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग प्रोग्राम उन प्रतिभाशाली

कामगारों की प्रतिभा को पहचानता है, जिनके पास पारम्परिक कौशल और सालों का अनुभव है और उन्हें असंगठित क्षेत्र से संगठित क्षेत्र में लाने के लिए प्रयास करता है।

Link to the promo: https://youtu.be/sngGVSGLm_E